News Letter

बैसवारा चिन्तन

बैसवारा पी०जी० कालेज, लालगंज, रायबरेली

संपादक, डॉ . रमेश चंद्र यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र

बैसवारा चिन्तन ०७ सितम्बर, २०२२

शिक्षक दिवस सप्ताह एवं अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर बैसवारा डिग्री कॉलेज में एक दिवसीय व्याख्यान आयोजित

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राएँ

संचालन करते हुए कार्यक्रम संयोजक डॉ० रमेश चन्द्र यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाजशास्त्र बैसवारा डिग्री कॉलेज लालगंज, रायबरेली

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० में शिक्षकों की भूमिका विषयक व्याख्यान और अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रोफेसर उदयभान सिंह पूर्व प्राचार्य बैसवारा डिग्री कॉलेज एवं विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र फिरोज गांधी रायबरेली ने विचार व्यक्त करते हुए कहा की शिक्षा गुणवत्ता पूर्ण सर्व सुलभ तथा शिक्षा की पहुंच सभी तक होनी चाहिए। प्रख्यात समाज शास्त्री प्रोफेसर सिंह ने बताया की शिक्षा के समुचित प्रचार प्रसार तथा विकास के लिए शिक्षकों का सम्मान अति आवश्यक है भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए शिक्षा में जीडीपी का 6% खर्च आवश्यक है जो कि वर्तमान में केवल 2.6% है अमेरिका में जीडीपी का 5% ब्राजील में 6% खर्च शिक्षा पर होता है। डॉ. सिंह ने आगे बताया कि भारत में शोध पर खर्च ०.69% जीडीपी का होता है, अमेरिका में 2.6% जीडीपी का, इजराइल में 4.6% जीडीपी का शोध पर खर्च होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर निरंजन राय ने कहां की शिक्षा की पहुंच हर व्यक्ति तक होनी चाहिए और शिक्षा सर्व सुलभ होनी चाहिए।

अतिथियों का वाचिक स्वागत तथा विषय प्रवर्तन प्राचार्य डॉ. शैलेंद्र कुमार सिंह ने किया कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रमेश चंद्र यादव, असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र द्वारा किया गया अतिथियों का औपचारिक धन्यवाद डॉ. वीरेंद्र कुमार ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक डॉ वी के भारद्वाज, डॉ. अतुल सिंह, डॉ. सूर्य कुमार मिश्रा, डॉ. संजीव कुमार मिश्रा ,डॉ. अजय कुमार सिन्हा, डॉ. प्रिया दुबे ,डॉ. दीक्षा मिश्रा ,डॉ. सुरजन यादव, डॉ. केके दीक्षित ,डॉ . शिवेंद्र सिंह, डॉ. अमित तिवारी ,डॉ. प्रवीण सिंह ,डॉ. सूर्य प्रकाश वर्मा डॉ. संदीप कनोजिया डॉ. नवीन सिंह आदि उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता/मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए प्राचार्य डॉ० शैलेंद्र कुमार सिंह, बैसवारा डिग्री कॉलेज, लालगंज, रायबरेली

समुचित मानव संसाधन विकास के लिए शिक्षा पर खर्च जी ०डी० पी ० का 6% आवश्यक : प्रोफेसर उदयभान सिंह

मुख्य वक्ता/मुख्य अतिथि प्रोफेसर उदय भान सिंह विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र

समुचित मानव संसाधन विकास के लिए शिक्षा पर खर्च जीडीपी का छह फीसद आवश्यक : प्रोफेसर उदयभान

संवाददाता। लालगंज, रायबरेली

पायनियर

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों की भूमिका विषयक व्याख्यान और अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रोफेसर उदयभान सिंह पूर्व प्राचार्य बैसवारा डिग्री कॉलेज एवं विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र फिरोज गांधी रायबरेली ने विचार व्यक्त करते हुए कहा की शिक्षा गुणवत्ता पूर्ण सर्व सुलभ तथा शिक्षा की पहुंच सभी तक होनी चाहिए । प्रख्यात समाज शास्त्री प्रोफेसर सिंह ने बताया की शिक्षा के समुचित प्रचार प्रसार तथा विकास के लिए शिक्षकों का सम्मान अति आवश्यक है भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए शिक्षा में जीडीपी का 6: खर्च आवश्यक है जो कि वर्तमान में केवल 2.6: है अमेरिका में जीडीपी का 5: ब्राजील में 6: खर्च शिक्षा पर होता है। डॉ सिंह ने आगे बताया कि भारत में शोध पर खर्च 0.69: जीडीपी का होता है, अमेरिका में 2.6: जीडीपी का, इजराइल में 4.6: जीडीपी का शोध पर खर्च होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर निरंजन राय ने कहां की शिक्षा की पहुंच हर व्यक्ति तक होनी चाहिए और शिक्षा सर्व सुलभ होनी चाहिए। अतिथियों का वाचिक स्वागत तथा विषय प्रवर्तन प्राचार्य डॉ शैलेंद्र कुमार सिंह ने किया कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ रमेश चंद्र यादव असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र द्वारा किया गया अतिथियों का औपचारिक धन्यवाद डॉ वीरेंद्र कुमार ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक डॉ वी

के भारद्वाज ,डॉक्टर अतुल सिंह, डॉ सूर्य कुमार मिश्रा, डॉक्टर संजीव कुमार मिश्रा ,डॉ अजय कुमार सिन्हा, डॉक्टर प्रिया दुबे ,डॉक्टर दीक्षा मिश्रा ,डॉक्टर सुरजन यादव, डॉक्टर केके दीक्षित ,डॉ शिवेंद्र सिंह, डॉ अमित तिवारी ,डॉ प्रवीण सिंह ,डॉ सूर्य प्रकाश वर्मा डॉक्टर संदीप कनोजिया डॉक्टर नवीन सिंह आदि उपस्थित रहे।

समुचित मानव संसाधन विकास के लिए शिक्षा पर खर्च जी डी पी का 6 प्रतिशत आवश्यक-- प्रोफेसर उदयभान सिंह

न्यू इण्डिया प्रहर

लालगंज रायबरेली नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षकों की भूमिका विषयक व्याख्यान और अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रोफेसर उदयभान सिंह पूर्व प्राचार्य बैसवारा डिग्री कॉलेज एवं विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र फिरोज गांधी रायबरेली ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा गुणवत्ता पूर्ण सर्वसुलभ होने के साथ–साथ शिक्षा की पहुंच सभी तक होनी चाहिए ।

प्रख्यात समाज शास्त्री प्रोफेसर सिंह ने बताया कि शिक्षा के समुचित प्रचार प्रसार तथा विकास के लिए शिक्षकों का सम्मान अति आवश्यक है। भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए शिक्षा में जीडीपी का 6 प्रतिशत खर्च आवश्यक है जो कि वर्तमान में केवल 2.6 प्रतिशत है ।अमेरिका में जीडीपी का 5 प्रतिशत ,ब्राजील में 6 प्रतिशत खर्च शिक्षा पर होता है। डॉ सिंह ने आगे बताया कि भारत में शोध पर खर्च दशमलव 69 प्रतिशत जीडीपी का होता है। अमेरिका में 2.6 प्रतिशत जीडीपी का, इजराइल में 4.6 प्रतिशत जीडीपी का शोध पर खर्च होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रोफेसर निरंजन राय ने कहां कि शिक्षा और शिक्षित जीवन के लिए अध्यापक और अभिभावक

के सामंजस्य के साथ–साथ जनता को भी जागरूक करना होगा तभी भारत का हर व्यक्ति शिक्षित होगा। पर्यावरणविद प्रोफेसर आदर्श कुमार पूर्व प्राचार्य फिरोज गांधी कालेज रायबरेली ने भी विचार व्यक्त किए।

अतिथियों का स्वागत तथा विषय प्रवर्तन प्राचार्य डॉ शैलेंद्र कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम के संयोजक डॉ रमेश चंद्र यादव असिस्टेंट प्रोफेसर समाजशास्त्र द्वारा किया गया। अतिथियों का औपचारिक धन्यवाद डॉ वीरेंद्र कुमार ने किया इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के समस्त शिक्षक डॉ वी के भारद्वाज ,डॉक्टर अतुल सिंह, डॉ सूर्य कुमार मिश्रा, डॉक्टर संजीव कुमार मिश्रा ,डॉ अजय कुमार सिन्हा ,डॉक्टर प्रिया दुबे, डॉक्टर दीक्षा मिश्रा, डॉक्टर सुरजन यादव ,डॉक्टर केके दीक्षित, डॉ शिवेंद्र सिंह, डॉ अमित तिवारी ,डॉ प्रवीण सिंह, डॉ सूर्य प्रकाश वर्मा ,डॉक्टर संदीप कनोजिया ,डॉक्टर नवीन सिंह, वरिष्ठ लेखाकार सुरेश गुप्ता उपस्थित रहे।